

# पोषण अभियान में यवाओं की भूमिका

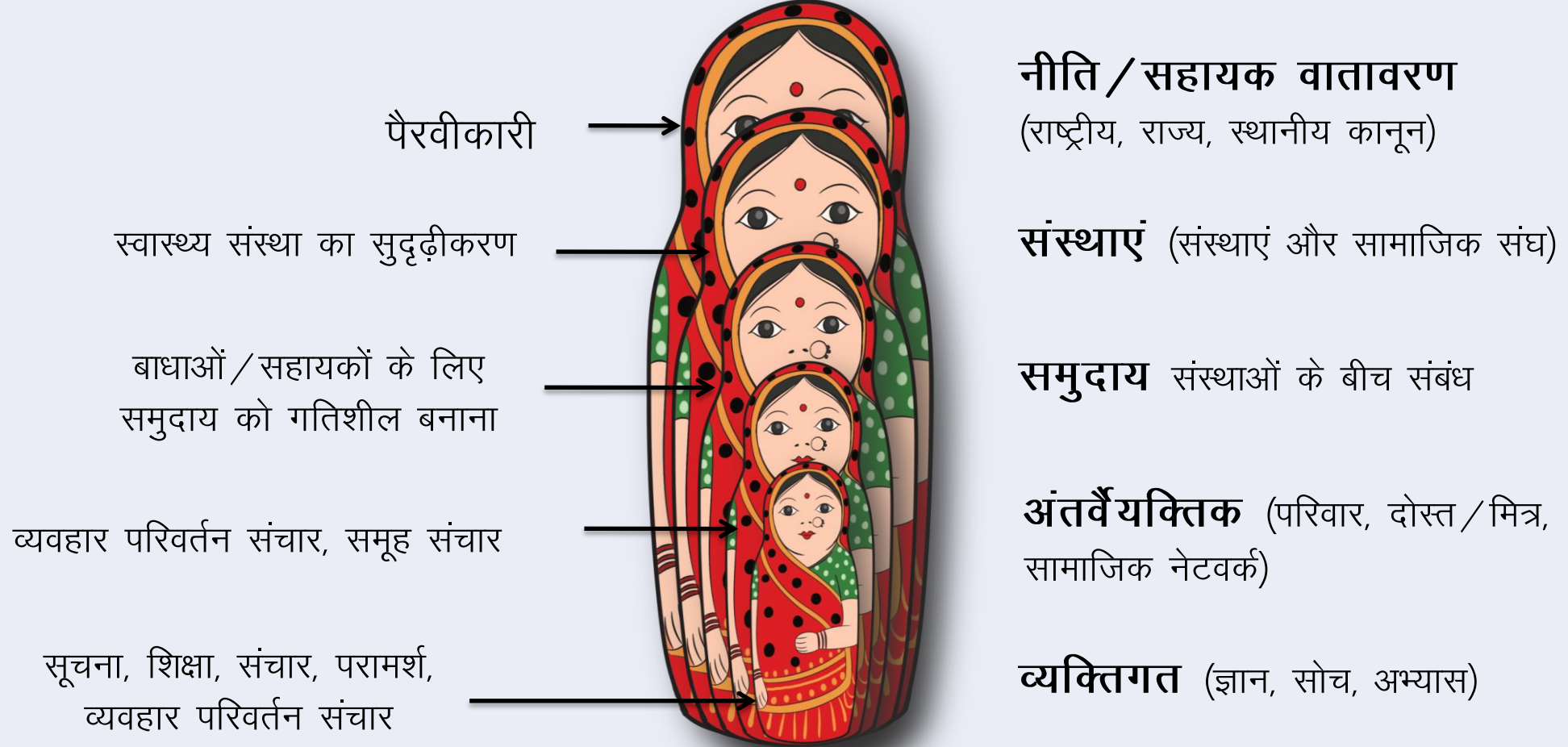
# पोषण अभियान में युवाओं की भूमिका

जानकारी (AWARENESS)

भागीदारी (INVOLVEMENT)

समुदाय को लामबंद करना (MOBILISATION)

## सामाजिक पारिस्थितिक मॉडल (एस.सी.एम.): विभिन्न स्तरों पर संचार के हस्तक्षेप के उदाहरण



# IYCF के सिद्धांत – बच्चे के स्वस्थ जीवन का आधार, जीवन के पहले सुनहरे दिन हज़ार

- बच्चे के जन्म के तुरन्त बाद जितनी जल्दी हो सके (एक घण्टे के भीतर) स्तनपान कराना क्योंकि कोलोस्ट्रम की बूंदे जितनी जल्दी शिशु प्राप्त करेगा वह उसके लिए उतना ही लाभकारी होगा।
- पहले तीन से छः दिन तक आने वाले गाढ़े पीले दूध को कोलोस्ट्रम कहते हैं। यह विशेष गाढ़ा पीला दूध शिशु को जन्म से 6 माह तक विभिन्न रोगों से बचाता है, तथा विभिन्न रोगों की गंभीरता को भी कम करता है।
- पहले तीन दिन का गाढ़ा दूध नवजात शिशु के लिये प्राकृतिक पहला टीकाकरण है।

# पोषण अभियान में यवाओं की भूमिका— जानकारी

- पोषण अभियान से जुड़ी शैक्षिक सामग्री की विस्तृत जानकारी प्राप्त करना
- **IYCF** के सिद्धांतों का अध्ययन – विशेषकर केवल स्तनपान
- समस्त जानकारीयों को अग्रिम श्रेणी के कार्यकर्ताओं (**FLF**) की मदद से लोगों तक पहुंचाना



# पोषण अभियान में यवाओं की भूमिका – समुदाय को लामबंद करना

- धार्मिक नेता / धर्मगुरु
- स्थानीय चिकित्सक
- पंचायत समिति के सदस्य
- परिवार के बड बुजुर्ग





# पोषण अभियान में यवाओं की भूमिका – भागीदारी

एसे लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना जो

- समुदाय में प्रभावी होते हों, लोग उनकी बात सुनते हों तथा मानते हों। लोग अपने महत्वपूर्ण मामलों में उनकी सलाह व राय लेते हों।
- यदि वे कुछ कहते हैं तो लक्ष्य समूह के अधिकतर लोग उनपर विश्वास करते हों।
- वे लोग जो अपने दम पर कार्यवाही करने को तैयार हों।

